प्रेरणा

व्यक्ति को कभी भी मौके का इंतजार नहीं करना चाहिए। क्योंकि जो आज है वो ही सबसे बड़ा मौका हैं।

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

मास्क जरूरी, नहीं कोई मजबूरी

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 02 DECEMBER TO 08 DECEMBER 2021 • VOLUME-20 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING | DESIGN | TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges & *Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

CANADA | AUSTRALIA | USA | U.K | SINGAPORE | EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

पंजाब चुनाव से पहले अकाली दल को बड़ा झटका

मनजिंदर सिंह सिरसा भाजपा में शामिल

नई दिल्ली. पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले शिरोमणि अकाली दल को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को भाजपा मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान समेत कई नेता मौजूद रहे। भाजपा में शामिल होने के बाद मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि उन्होंने दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट के माध्यम से देशभर में मानवता की सेवा, देश की सेवा और हमारे पंथ की सेवा की है। उन्होंने कहा कि हमारे समुदाय को जिस जगह पर भी हमारी जरूरत पड़ी है हमने पूरे देश में जाकर उनकी आवाज बुलंद की। इसी बीच केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मैं अगर उत्तर भारत की राजनीति में सिख चेहरों की बात करूं तो उनमें से एक चेहरा मनजिंदर सिंह सिरसा का है। सिरसा दो बार दिल्ली की राजौरी विधानसभा से विधायक रह चुके हैं। पिछले 3 साल से दिल्ली गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष के तौर पर काम कर रहे हैं।

भाजपा मुख्यालय में पार्टी में शामिल होने के बाद सिरसा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की। नड्डा ने कहा, ''मुझे यकीन है कि उनका अनुभव और कड़ी मेहनत भाजपा को और मजबूत करेगी।' पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के प्रभारी शेखावत ने कहा कि सिरसा को पार्टी में शामिल करने से निश्चित रूप से राज्य में अगले साल की शुरुआत में होने वाले चुनाव में मदद मिलेगी। सिरसा राष्ट्रीय राजधानी में शिरोमणि अकाली दल का एक प्रमुख चेहरा रहे हैं और तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन का मजबूती से समर्थन कर रहे थे। भाजपा में शामिल होने के बाद सिरसा ने मीडिया से कहा, 'मैंने हमेशा सिखों से जुड़े मुद्दों के लिए आवाज उठाई है। मैंने देश भर में सिखों से संबंधित मुद्दों के संबंध में गृह मंत्री अमित शाह के साथ बातचीत की। मुझे खुशी है कि न केवल उन्होंने मुझसे बात की बल्कि कहा कि वह इन मुद्दों को सुलझाना चाहते हैं और उन्हें प्रधानमंत्री के समक्ष भी उठाएंगे।'

सुखबीर बादल के करीबी माने जाते थे सिरसा

सिरसा को शिअद प्रमुख सुखबीर बादल का करीबी सहयोगी माना जाता था और जब सिख धर्म से जुड़े मुद्दों की बात आती है तो वह पार्टी के सबसे अधिक दिखाई देने वाले चेहरों में से एक थे। सिरसा राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर प्रदर्शनकारी किसानों के लिए रसद की व्यवस्था करने में सबसे आगे रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सिरसा के शामिल होने से भाजपा मजबूत होगी। सिरसा ने भाजपा में शामिल होने से पहले डीएसजीएमसी में अपना पद छोड़ दिया था। भाजपा में शामिल होने से पहले सिरसा ने एक ट्वीट में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) अध्यक्ष पद से इस्तीफे की घोषणा की।

परगट सिंह का सिसोदिया को जवाब- दिल्ली का शिक्षा मॉडल सिर्फ़ पानी का बुलबुला

चंडीगढ़. पंजाब और दिल्ली के शिक्षा मॉडलों की तुलना के संदर्भ में पंजाब के शिक्षा मंत्री परगट सिंह ने आज 'आम आदमी पार्टी ' के दिल्ली मॉडल के राज़ खोलते हुये सवाल किया कि दिल्ली के 1060 में से 760 स्कूलों में प्रिंसिपल के पद खाली क्यों हैं? दिल्ली के 1844 स्कूलों में से 479 वाइस प्रिंसिपल के पद क्यों खाली हैं? दिल्ली के स्कूलों में 41 प्रतिशत नान टीचिंग स्टाफ के पद खाली क्यों हैं? पंजाब भवन में प्रैस कान्फ्रेंस के दौरान दिल्ली मॉडल को पानी का बुलबुला बताते हुये कहा कि सरहदी राज्य पंजाब का राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के साथ मुकाबला ही गलत है।

काबिलेग़ौर है कि बुधवार को मनीश सिसोदिया मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी के हल्के के सरकारी स्कूल देखने गए। मौके पर मौजूद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि स्कूल के चारों ओर बदबू, मकड़ी के जाले, स्मार्ट क्लासरूम के नाम पर मज़ाक़, पूरे स्कूल में एक टीचर और तनख़्वाह मात्र 6000/- आदि है।

कैप्टन और बादल पंजाब को तबाह करने के लिए मोदी के साथ मिले हुए : चन्नी

कहा- केजरीवाल बाहर से आकर कब्जा करना चाहता

बद्धनी कलां /मोगा. आज यहां अनाज मंडी में राज्य स्तरीय समागम के मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने संबोधन के दौरान कैप्टन और बादलों को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि यह परिवार अपने निजी स्वार्थों के लिए पंजाब को तबाह करने के लिए मोदी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ मिले हुए हैं। उन्होंने कहा कि चाहे उनको मुख्यमंत्री बने सिर्फ़ दो महीने ही हुए हैं परन्तु उन्होंने बादलों की सरप्रस्ती में चलते ट्रांसपोर्ट माफीए पर पूरी नकेल डाल दी है और अब इनकी ही सरप्रस्ती अधीन चल रहे केबल माफीए पर नकेल डालने के लिए सरकार कार्यवाही कर रही है।

उधर केजरीवाल पर हमला बोलते हुये मुख्यमंत्री चन्नी ने कहा कि केजरीवाल और उसकी टोली आम आदमी का नकाब पहन कर बाहर से लुटेरों की तरह पंजाबियों को लूटने की साज़िशें घड़ रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब के बुद्धिमान लोग ऐसे बहरूपियों की चालें सफल नहीं होने देंगे।

मुख्यमंत्री ने निहाल सिंह वाला हलके सर्वपक्षीय विकास के लिए 15 करोड़ रुपए की ग्रांट और सभी कच्चे रास्ते पक्के करने का ऐलान किया। इसके अलावा निहाल सिंह वाला हलके में एक डिग्री कालेज खोलने का भी ऐलान किया। समागम के मौके पर दो लाभार्थियों को औपचारिक तौर पर 5-5 मरले के प्लाटों की सन्नदें देकर मालिकाना हक देने की शुरुआत की गई। आज मोगा ज़िले के कुल 1294 लाभार्थियों को 5-5 मरले के प्लाटों की सन्नदें सौंपी गई।

सरकारी कालेजों के लिए 'मुख्यमंत्री वज़ीफ़ा स्कीम' लागू करने की मंजूरी

चंडीगढ़. पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में मंत्रीमंडल ने राज्य के सरकारी कालेजों में उच्च शिक्षा के लिए 'मुख्यमंत्री वज़ीफ़ा स्कीम' लागू करने की मंजूरी दे दी है। इस स्कीम से जहाँ गरीब विद्यार्थियों ख़ास कर जनरल वर्ग के होनहार विद्यार्थियों को मदद मिलेगी, वहीं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कुल दाख़िला अनुपात (जी.ई.आर.) को बेहतर बनाने में भी सहायता मिलेगी। विद्यार्थियों को वज़ीफ़ा तभी दिया जायेगा, यदि उनको कोई और वज़ीफ़ा न मिलता हो। यह स्कीम अंडर ग्रैजुएट और पोस्ट ग्रैजुएट कोर्सों में पढ़ रहे विद्यार्थियों पर लागू होगी। इसके अलावा पी.एस.आई.डी.सी, पी.एफ.सी और पी.ए.आई.सी. के बकाए के निपटारे के लिए एकमुश्त निर्णय नीति-2021 को मंज़ूरी दी है। घड़ूआं, राजासांसी और दोरांगला को सब-तहसीलों के तौर पर अपग्रेड करने को हरी झंडी दी है। मंत्रीमंडल ने लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश) में घटी दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मरने वालों के परिवारों /कानूनी वारिसों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य-बाद मंजूरी दे दी है।

व्यापारियों के हित में 1140 करोड़ रुपए के फ़ैसलों को हरी झंडी

राज्य भर के कारोबारियों को राहत देते हुए पंजाब मंत्रीमंडल ने साल 2014-15 से लेकर 2017-18 तक के चार सालों के 'सी' फार्म से सम्बन्धित मामलों में से लगभग 1.50 लाख मामलों को मूल्यांकन से मुक्त कर दिया है। इस फ़ैसले से राज्य के ख़जाने पर 200 करोड़ रुपए का वित्तीय भार पड़ेगा। मंत्रीमंडल ने किसी केस में निर्धारित की गई अतिरिक्त माँग का 70 प्रतिशत हिस्सा भरने से छूट दे दी है। इस फ़ैसले से ख़जाने पर लगभग 940 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। इसके साथ अतिरिक्त माँग के 30 प्रतिशत हिस्से की 20 प्रतिशत राशि भरनी होगी और बाकी का 80 प्रतिशत 31 मार्च, 2023 तक भरना होगा।

क्यों स्मार्ट सिटी के अधिकारी एक ही सड़क को दो-दो बार बनवा रहे हैं

फंड का दुरुपयोग

➤ किसी सड़क को दो बार बन जाने से जहां पहला ठेकेदार रख-रखाव की जिम्मेदारी से मुक्त हो जाता है, वहीं दूसरे ठेकेदार कंपनी को स्मार्ट सिटी के तहत फिर से उसी सड़क के निर्माण के लिए अलग भुगतान करना पड़ता है।

जालंधर के वर्कशॉप चौंक पर स्मार्ट सिटी के अंतर्गत लेवल डाउन कर दोबारा कंक्रीट की सड़क बना रहे मजदूर।

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत साल 2015 में जालंधर को भी पहले 100 शहरों में चुने जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। जिसका मुख्य कारण जालंधर पूरे एशिया में स्पोर्ट्स हब का केंद्र माना जाता है और देश-विदेश से यहां लोग स्पोर्ट्स का सामान खरीदने के लिए आते हैं।

वहीं दूसरी तरफ चंडीगढ़ के बाद जालंधर को लिविंग सिटी माना जाता है। मीडिया और एनआरआई हब होने के साथ-साथ हेल्थ ,मैन्युफैक्चरिंग और एजुकेशन सेक्टर में भी इस शहर ने पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है।

बता दें कि पिछले कई सालों से स्मार्ट सिटी के नाम पर शहर में कई बड़े प्रोजेक्ट्स किए जा रहे हैं। जिसमें स्टॉर्म वाटर प्रोजेक्ट के तहत बड़ी पाइप्स डाली जा रही है, जिस वजह से शहर की प्रमुख सड़कें ठेकदार कंपनी द्वारा खोदी हुई हैऔर ज्यादातर सड़कों को स्मार्ट सिटी के तहत कंक्रीट का बनाया जा रहा है।

जिक्रयोग्य है पिछले कई सालों से स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा शहर के प्रमुख चौंकों के सौंदर्यीकरण का काम किया जा रहा था और उसी बीच ठेकदार द्वारा वर्कशॉप चौंक के आसपास लुक-बजरी वाली सड़क का निर्माण किया गया था, जिस वजह से सड़क का लेवल काफी ऊपर तक उठ गया था। लेकिन स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा अब दोबारा से उसी सड़क को उखाड़ कर उसका लेवल नीचे करके उस पर कंक्रीट की सड़क बनाने का काम किया जा रहा है। इस सड़क को दो बार बन जाने से जहां पहले ठेकदार को उसके रख-रखाव की जिम्मेवारी से मुक्त किया गया है। वहीं दूसरी तरफ ठेकदार कंपनी को स्मार्ट सिटी के तहत फिर से इस सड़क के निर्माण की अदायगी की जाएगी।

गौरतलब है कि जालंधर शहर को स्मार्ट सिटी के अंतर्गत लाने के लिए शहर के प्रमुख विभागों के अधिकारियों और एसोसिएशनों द्वारा जालंधर को स्मार्ट बनाने के लिए अपने लेटर हेड पर अपना समर्थन दिया था परन्तु शहर के हालात देख कर कहीं न कहीं आज यह सब लोग भी दबी जुबान में स्मार्ट सिटी के अधिकारियों को कोसते नजर आते हैं। अब आने वाले दिनों में देखना है कि कांग्रेस की सरकार साल 2022 में चुनावों में किन कार्यों को दिखा कर सत्ता में वापसी करेगी या इन अधिकारियों की लापरवाही कांग्रेस के लिए मुश्किलें और खड़ी करने वाली है।

दुनिया की सबसे साफ नदियों में से एक है डॉकी

क्रिस्टल क्लियर

डॉकी या डौकी एक छोटा सा सीमावर्ती शहर है, जो मेघालय के पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले में स्थित है। ये पूर्वोत्तर शहर अपनी अविश्वसनीय रूप से स्वच्छ डॉकी या उमनगोट नदी और एक सुंदर सस्पेंशन ब्रिज के लिए जाना जाता है।

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

नॉर्थ इंडिया, ये शब्द जेहन में आते ही कई तरह की चीजें आपकी आंखों के सामने दिखाई देने लगती है। आप वहां की वादियों में खो जाते हैं। वहां की अलग-अलग शहरों की बेहतरीन खूबसूरती आपका मन मोह लेती है और वहां की वादियों को हर पल सोचने लगते हैं।

पूरी दुनिया से लोग नॉर्थ इंडिया घूमने आते हैं। खास तौर पर अगर बात मेघालय की हो तो लोग यहां जाने के लिए क्रेजी रहते हैं। आप भी मेघालय अगर कभी नहीं गए हैं तो एक बार वहां जरूर होकर आइए। यहां की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज हम वहां के बारे में कुछ जानकारी आपके लिए लेकर आए हैं जिसे आपको जानना बेहद जरूरी है।

डॉकी, दुनिया की सबसे साफ नदियों में से एक है : डॉकी या डौकी एक छोटा सा सीमावर्ती शहर है, जो मेघालय के पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले में स्थित है। ये पूर्वोत्तर शहर अपनी अविश्वसनीय रूप से स्वच्छ डॉकी या उमनगोट नदी और एक सुंदर सस्पेंशन ब्रिज के लिए जाना जाता है। दुनिया भर से पर्यटक और फोटोग्राफर इस जगह की सुंदरता को देखने और अपने कैमरों में कैद करने के लिए इस शहर में आते हैं। डॉकी नदी के कुछ लुभावने किनारों और जगहों पर एक नजर डालें, जिसमें इसकी क्रिस्टल कांच की सतह दिखाई दे रही है।

मेघालय के दर्शनीय स्थल : उमंगोट नदी को मेघालय के दर्शनीय स्थलों में गिना जाता है। नदी का भव्य हरा और नीला क्रिस्टल साफ पानी बिल्कुल आश्चर्यजनक और प्राचीन दिखता है। आप छोटी चट्टानों, कंकड़ और मछलियों को भी स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।

डॉकी टाउन : डॉकी मूल रूप से एक सीमावर्ती शहर है और भारत को बांग्लादेश से अलग करता है। ये शहर छोटा जरूर है, लेकिन बहुत ही सुंदर है और अपनी खूबसूरत नदी और एक झूला पुल के लिए ये जाना जाता है।

मेघालय का डॉकी : पुल नदी पर बना एक सस्पेंशन ब्रिज है। अंग्रेजों ने 1932 में पुल का निर्माण किया था।

सबसे स्वच्छ नदी : अभी कुछ दिन पहले ही जल शक्ति मंत्रालय ने उमंगोट नदी को भारत की सबसे स्वच्छ नदी का खिताब दिया था। मंत्रालय ने ट्विटर पर नदी की कई लुभावनी तस्वीरें साझा कीं।

डॉकी नदी पर नावें : नदी का पानी इतना साफ है कि ऐसा लगता है कि नावें कांच की किसी अदृश्य सतह पर तैर रही हैं। नदी भारत और बांग्लादेश के बीच बहती है और एक प्रमुख व्यापार केंद्र है। यहां नाव की सवारी जरूरी है।

आसमान का रंग दिनभर नीला और शाम के समय नारंगी क्यों होता है, जानिए क्या है इसकी वजह

आसमान का रंग नीला क्यों है? यह सवाल पूछने पर ज्यादातर लोग कहते हैं समुद्र और महासागर का रंग नीला होने के कारण आसमान का रंग भी ऐसा ही है, लेकिन इस बात में जरा सी भी सच्चाई नहीं है। वैज्ञानिक जरिए से देखें तो इसका कनेक्शन सूर्य की किरणों से है। जानिए इसकी वजह...

आसमान का रंग नीला क्यों है? यह सवाल पूछने पर ज्यादातर लोग कहते हैं समुद्र और महासागर का रंग नीला होने के कारण आसमान का रंग भी ऐसा ही है, लेकिन इस बात में जरा सी भी सच्चाई नहीं है।

वैज्ञानिक जरिए से देखें तो इसका कनेक्शन सूर्य की किरणों से है। यही किरणें तय करती हैं कि सूर्योदय और सूर्यास्त के बादल का रंग नारंगी और दिभर नीला रहेगा।

इसलिए आसमान नीला दिखता है : वातावरण में धूल और मिट्टी के बेहद छोटे-छोटे कण (मॉलीक्यूल) पाए जाते हैं। जब सूर्य की किरणें इन कणों पर पड़ती है तो ये सात रंगों में टूट जाती हैं। इन सात रंगों में वॉयलेट, इंडिगो, ब्लू, ग्रीन, यलो, ऑरेंज और रेड शामिल हैं। सूर्य की किरणों के टूटने पर सबसे कम तरंग दैर्घ्य ब्लू और इंडिगो की होती है। वहीं, रेड कलर की तरंग दैर्ध्य सबसे ज्यादा होती है। नतीजा, ब्लू और इंडिगो कलर वाली किरणें आसमान में ज्यादा बिखरती हैं, इसलिए आसमान दिन के समय आसमानी रंग का दिखाई देता है।

सूर्योदय और सूर्यास्त के समय नारंगी क्यों दिखता है आसमान : अक्सर आपने देखा होगा कि सूर्योदय और सूर्यास्त के समय आसमान का रंग नारंगी या लाल दिखता है। इसकी वजह भी प्रकाश की किरणें ही हैं। विज्ञान कहता है, सूर्योदय और सूर्यास्त के समय सूर्य धरती के काफी करीब होता है। इस दौरान सूर्य का ताप कम होता है और नीले व हरे रंग की किरणें लाल व नारंगी रंग के मुकाबले अधिक परावर्तित हो जाती हैं। इसलिए आसमान का रंग लाल या नारंगी दिखाई देता है। आसान भाषा में समझें तो जिस रंग की किरणें ज्यादा बिखरती हैं वही रंग आसमान में दिखाई देता है।

समुद्र के नीला दिखने की वजह भी सूर्य की किरणें हैं?

अक्सर आपने देखा होगा कि समुद्र या महासागर नीले रंग में रंगे हुए नजर आते हैं, लेकिन जब आप पास जाकर पानी को देखते हैं तो इसका रंग नीला नहीं होता। इसकी वजह भी सूर्य की किरणें हैं। वैज्ञानिक कहते हैं, पानी में सूर्य किरणों को एब्जॉर्ब करने की पावर होती है। दिन के समय जब सूर्य की किरणें पानी पर पड़ती हैं तो प्रकाश से निकलने वाली दूसरे रंग की किरणों को पानी एब्जॉर्ब कर लेता है, लेकिन नीले रंग की किरण को परावर्तित (रिफलेक्ट) कर देता है। प्रकाश के इसी परावर्तन के कारण समुद्र का रंग नीला दिखाई तो देता है, लेकनि हकीकत में यह नीला नहीं होता।

विज्ञान कहता है, सूर्य बहुत ताकतवर है। हर सेकंड सूर्य इतनी एनर्जी छोड़ता है जितनी 100 बिलियन न्यूक्लियर बॉम्ब से निकलती है। इसका एक उदाहरण है सोलर एनर्जी। सोलर पैनल के जरिए सूर्य की एनर्जी से ही बिजली जेनरेट की जाती है। ऐसे गांव जहां अभी भी बिजली नहीं पहुंची है, वहां सोलर एनर्जी से बिजली जेनरेट की जा रही है।

हर घर का पता बताएगी यूनीक आईडी, जैसे आपके पास है आधार, वैसे ही मकान का होगा स्पेशल कोड

नई व्यवस्था में हर घर का ऑनलाइन एड्रेस वेरिफिकेशन हो सकेगा। बैंक में खाता खुलवाने से लेकर, टेलीफोन-बिजली कनेक्शन लेने के लिए एड्रेस का प्रमाण नहीं देना होगा।

आप जब भी अपने परिचय के साथ अपना एड्रेस बताते हैं तो गली, मुहल्ला, लैंडमार्क, गांव-टोला, शहर, राज्य, पिन कोड वगैरह सारा कुछ लिखना होता है। चिट्ठी-पत्री का तो अब उतना चलन नहीं रह गया है, लेकिन एडमिट कार्ड, ऑफिशियल लेटर, जॉब संबंधित कॉल लेटर, शादी के कार्ड वगैरह ऑनलाइन के अलावा अब भी डाक से आते हैं। वहीं, ऑनलाइन शॉपिंग में डिलीवरी के लिए सही पता का होना बहुत जरूरी होता है।

लेकिन जल्द ही आपके घर का यूनीक पता होगा। जिस तरह आपकी पहचान के लिए आधार कार्ड है, यूनीक आधार नंबर है, उसी तरह आपके मकान की भी यूनीक आईडी होगी। हर राज्य के हर गांव-शहर के हर टोले-मोहल्ले में स्थित हर भवन का एक डिजिटल कोड होगा। संभावना है कि यह डिजिटल कोड पिन कोड की जगह ले लेगा।

यूनीक कोड के जरिये सीधे आपके घर पहुंचेगा सामान

कोई डाक हो, ऑनलाइन शॉपिंग से मंगाया गया सामान हो, फूड डिलीवरी ऐप से मंगाया गया फूड आइटम हो या फिर ओला, उबर ऐप से बुक की गई टैक्सी... इसी डैक यानी यूनीक कोड के जरिये सीधे आपके दरवाजे तक पहुंचेगा। गूगल मैप्स कती तरह डिजिटल मैप सर्विस इसमें मदद करेगी। सैटेलाइट सिर्फ डीएसी के जरिये हर भवन की सटीक लोकेशन बता सकेंगे। वहीं जहां डिजिटल मैप्स की सेवाएं उपलब्ध न हो, वहां आप अपना पूरा पता दर्ज कर सकते हैं। बदलाव केवल इतना होगा कि आपको पिन कोड की जगह डीएसी दर्ज करना होगा।

सर्दियों में ये 6 फूड्स डाइट में करें शामिल, वायरल इंफेक्शन से मिलेगा छुटकारा

सर्दियों में आप कई हेल्दी फूड्स डाइट में शामिल कर सकते हैं। ये शरीर को गर्म रखने के साथ-साथ आपको वायरल इंफेक्शन से बचाने में भी मदद करेंगे।

होल ग्रेन - अगर आप सर्दियों में हेल्दी फूड्स डाइट में शामिल करने का प्लान बना रहे हैं, तो आप होल ग्रेन डाइट में शामिल कर सकते हैं। ये आपको गर्म रखेंगे। आप रागी और बाजरा जैसे होल ग्रेन डाइट में शामिल कर सकते हैं।

शहद - शहद सर्दी और फ्लू से लड़ने में बहुत उपयोगी है। शहद में एंटीऑक्सीडेंट्स के साथ एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टी होती हैं, जो स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं।

दालचीनी - दालचीनी शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देती है, सर्द मौसम में गर्मी पैदा करने में मदद करती है। आप सर्दियों में इसे डाइट में शामिल कर सकते हैं।

गुड़ - गुड़ कई अलग-अलग नामों से जाना जाता है। ये न केवल आपके पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है बल्कि आपको गर्म भी रखता है। इसे आप चीनी के बदले गुड़ का भी सेवन कर सकते हैं।

केसर - केसर का सेवन आप शरीर को गर्म रखने के लिए कर सकते है। इसके कई अन्य स्वास्थ्य लाभ भी हैं। आप दूध में केसर को उबालकर इसमें किशमिश भी मिलाकर पी सकते हैं।

सूखे मेवे - सूखे मेवे सर्दियों में सबसे अच्छे फूड्स में से एक हैं। बादाम, अखरोट, खुबानी, सूखे अंजीर और खजूर आपको प्राकृतिक रूप से गर्मी प्रदान करते हैं।

वाइट या ब्राउन नहीं.. कभी ब्लैक राइस खाया है आपने? फायदे जानकर आप भी खाना चाहेंगे

आपने व्हाइट या ब्राउन राइस के बारे में सुना होगा, लेकिन कभी ब्लैक राइस खाए हैं आपने? इस चावलों को जीआई टैग मिला है और उसके कई फायदे भी हैं।

आम तौर पर हमारी खाली में सफेद रंग का ही चावल शामिल होता है। कई लोग आजकल ब्राइन राइस की तरफ भी बढ़ रहे हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं एक ब्लैक राइस भी आता है। ब्लैक राइस ना सिर्फ स्वाद में अच्छा होता है, बल्कि सेहत के लिए काफी फायदेमंद भी होता है। अगर आपने भी पहले ब्लैक राइस के बारे में नहीं सुना है तो आप सोच रहे होंगे कि यह चावल पकने के बाद कैसे दिखते हैं और आखिर लोग इसे खाना क्यों पसंद करते हैं।

ब्लैक राइस को मिला है जीआई टैग

जीआई टैग से पहले किसी भी सामान की गुणवत्ता, उसकी क्वालिटी और पैदावार की अच्छे से जांच की जाती है। यह तय किया जाता है कि उस खास वस्तु की सबसे अधिक और ओरिजिनल पैदावार निर्धारित राज्य की ही है। इसके साथ ही यह भी तय किए जाना जरूरी होता है कि भौगोलिक स्थिति का उसके उत्पादन में कितना योगदान है। ऐसे ही ये टैग ब्लैक राइस के लिए भी है, जो मणिपुर को मिला है।

यानी मणिपुर के ब्लैक राइस को जीआई टैग मिला हुआ है और यह विश्व स्तर पर फेमस है। अगर खेती की बात करें तो मणिपुर के अलावा, बिहार के कई जिलों में भी इसकी खेती की जाती है। साथ ही इसमें पीले चावलों के मुकाबले काफी कम पानी लगता है। अब भारत के कई प्रदेशों समेत विश्वभर में इसकी डिमांड बढ़ रही है।

कैसे बनता है?

वैसे तो ब्लैक राइस बनाने के कई तरीके हैं और अलग अलग डिश के हिसाब से बनाते हैं। कई लोगों को मानना होता है कि जब इन चावलों को पकाते हैं तो इनका छिलका निकल जाता है, लेकिन ऐसा नहीं है। दरअसल, इन चावलों को पकाने के बाद भी ये काले कलर के ही रहते हैं और लोग इन्हें बड़े शौक से खाते हैं। इसे भी आम चावलों की तरह पहले उबाला जाता है और उसके बाद बनाया जाता है।

क्या हैं इसके फायदे?

- ब्लैक राइस वजन कम करने में काफी सहायक होते हैं। क्योंकि इनमें सफेद चावल की तुलना में काफी कम फैट होता है।
- काले चावल में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स लिवर को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। यह लिवर में मौजूद नुकसानदायक पदार्थों को निकालकर डिटॉक्स करता है।
- इसके अलावा, काले चावल में पाए जाने वाले एंथोसाइनिन ब्लड शूगर को नियंत्रित करता है। 100 ग्राम काले चावल में करीब 4।5 ग्राम फाइबर होता है जो हमारे पाचन को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है।
- इन चावलों में एंथोसाइनिन भी मौजूद होता है, जो दिल से जुड़ी कई भयानक बीमारियों से बचाने में अहम किरदार निभाता है। साथ ही दिल के लिए भी यह काफी काम की चीज है।
- ब्लैक राइस शरीर में कोलेस्ट्रॉल को भी घटाता है जो दिल के लिए अच्छा माना जाता है। इससे हार्ट अटैक आने की आशंका घटती है।
- ब्लैक राइस को डाइबिटीज और आर्थराइटिस के मरीजों के के स्वास्थ्य के लिहाज से भी अच्छा माना जाता है।
- ऐसे में जानते हैं ब्लैक राइस से जुड़ी हर एक बात ताकि आप समझ जाएं कि इनमें क्या खास होता है। साथ ही जानते हैं कि भारत में ये चावल होता है या नहीं और अगर होता है तो उसकी कितनी पहचान है।

एक ऐसा शहर जहां सबकुछ नीला, इसे पवित्रता का रंग माना जाता है, लेकिन 40% नशे का व्यापार यहीं से होता है

इसे नीले रंग में रंगने की भी एक वजह है। यहां के कुछ लोग इस रंग को पवित्रता का प्रतीक मानते हैं, इसलिए पूरा शहर नीले रंग में रंगा है। यहां की हर चीज में इसी रंग का कॉम्बिनेशन मिलेगा।

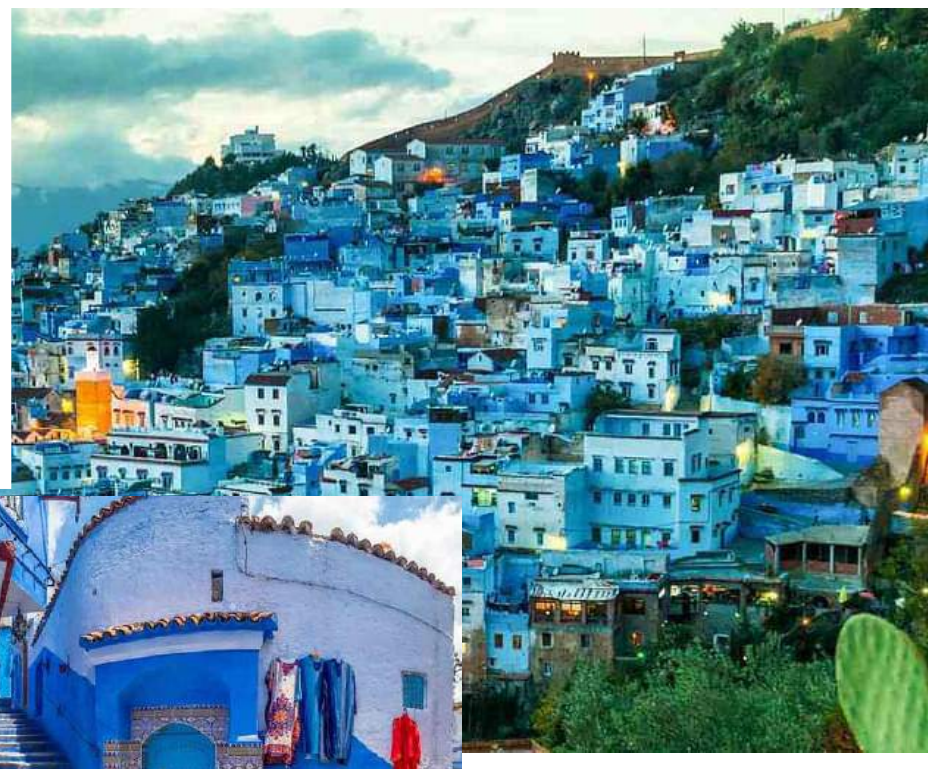

दुनिया में एक ऐसा शहर भी है जो नीले रंग में रंगा हुआ है।पहाड़ों के बीच बसे इस शहर को 'कोबाल्ट ब्लू सिटी' कहते हैं। मोरक्को के इस शहर का नाम है शफशवन। यहां के घर, दीवार, खिड़कियों से लेकर सड़कें तक नीले रंग में रंगी हैं। इस शहर की नींव 1471 में पड़ी थी। इसे मोरक्को के सबसे पवित्र शहरों में गिना जाता है।

इस शहर के लोग इसे काफी पवित्र मानते हैं, इसलिए यहां पर्यटकों की आवाजाही के लिए मनाही है। इसे नीले रंग में रंगने की भी एक वजह है। यहां के लोग इस रंग को पवत्रिता का प्रतीक मानते हैं, इसलिए पूरा शहर नीले रंग में रंगा है। यहां की हर चीज में इसी रंग का कॉम्बिनेशन मिलेगा।

शहर को नीले रंग में रंगने को लेकर यहां कई मान्यताएं हैं। जैसे- कुछ लोग मानते हैं कि नीले रंग के कारण मच्छर दूर रहते हैं। वहीं, कुछ लोगों का कहना है, इस रंग का प्रयोग शहर को खूबसूरत बनाने के लिए किया गया है। इस शहर को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज की श्रेणी में रखा गया है।

पूरे मोरक्को में यही एकमात्र शहर है जहां कानूनीतौर पर भांग की खेती करने की अनुमति दी गई है। यहां लाखों लोगों के लिए भांग की खेती ही उनकी आय का एकमात्र स्रोत है। दुनियाभर में इस्तेमाल होने वाली चरस की 40 फीसदी तक सप्लाई इसी शहर से की जाती है।

कुछ स्थानीय लोगों के नापसंद करने के बावजूद यहां पर्यटक पहुंचते हैं और तस्वीरें लेना नहीं भूलते। यहां सबसे ज्यादा लोग यूरोपीय देशों से पहुंचते हैं। गर्मियों के मौसम में यहां के होटल फुल हो जाते हैं। एक चौंकाने वाली बात यह भी है कि इस शहर में लगे गांजे के पौधे भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

फर्जी वेबसाइट से रहें सावधान, खाली हो सकता है आपका बैंक अकाउंट, इन बातों का रखें ध्यान

साइबर क्राइम के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में इनसे सावधान रहना बहुत जरूरी है। इनमें से एक तरीका स्पूफिंग का है। आइए जानते हैं कि स्पूफिंग क्या है और इससे बचने के लिए किन बातों को ध्यान में रखना जरूरी है।

आज के दौर में ज्यादातर लोग बैंक से जुड़े कामकाज के लिए इंटरनेट और स्मार्टफोन की मदद लेते हैं। ऐसे में साइबर अपराधी भी इसका फायदा उठा रहे हैं। और साइबर क्राइम के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में इनसे सावधान रहना बहुत जरूरी है। इनमें से एक तरीका स्पूफिंग का है। आइए जानते हैं कि स्पूफिंग क्या है और इससे बचने के लिए किन बातों को ध्यान में रखना जरूरी है।

स्पूफिंग क्या है?

वेबसाइट स्पूफिंग में अपराधी आपके साथ फ्रॉर्ड करने के लिए एक नकली वेबसाइट बनाता है। उस फर्जी वेबसाइट को सही दिखाने के लिए अपराधी सही वेबसाइट के नाम, लोगो, ग्राफिक और कोड का इस्तेमाल करता है। वे आपकी ब्राउजर विन्डो के टॉप पर दिखने वाली एड्रेस फील्ड में यूआरएल की नकल भी कर सकते हैं। इसके साथ दायीं ओर सबसे नीचे कॉर्नर पर दिखने वाले पैडलॉक आइकन की भी कॉपी कर सकते हैं।

इसमें अपराधी क्या करते हैं?

साइबर अपराधी इसमें आपको फर्जी वेबसाइट का एक लिंक ईमेल के जरिए भेजते हैं, जिसमें आपको अकाउंट संबंधित जानकारी को अपडेट या कन्फर्म करने के लिए कहा जाता है। ऐसा वे आपके अकाउंट से संबंधित संवेदनशील जानकारी को हासिल करने के लिए करते हैं। जैसे इंटरनेट बैंकिंग यूजर आईडी, पासवर्ड, पिन, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, बैंक अकाउंट नंबर, सीवीवी नंबर आदि।

स्पूफिंग से सेफ्टी टिप्स

बैंक कभी भी आपकी गोपनीय जानकारी को हासिल करने के लिए ईमेल नहीं भेजता है। अगर आपके पास अपनी इंटरनेट बैंकिंग सिक्योरिटी डिटेल्स को पूछने वाला ईमेल आता है, तो आपको उसका जबाव नहीं देना चाहिए।

पेडलॉक आइकन को चेक करें। यह एक फैक्ट है कि वेब ब्राउजर में कहीं भी पेडलॉक आइकन जरूर डिस्प्ले होता है। उदाहरण के लिए माइक्रोसॉफ्ट इंटरनेट एक्सपलोरर में ब्राउजर विन्डो में दायीं ओर सबसे नीचे लॉक आइकन मौजूद होता है। इस पर क्लिक या डबल क्लिक करके साइट की सिक्योरिटी की डिटेल्स को देख सकते हैं। आपको चेक करना चाहिए कि यह सर्टिफिकेट किसके लिए जारी किया गया है, क्योंकि कुछ फर्जी वेबसाइट्स में मिलता-जुलता पेडलॉक आइकन हो सकता है।

वेबपेज के URL को चेक करें। वेब पर ब्राउज करते समय, URLs "http" लेटर से शुरू होते हैं। हालांकि, सिक्योर कनेक्शन पर, दिखने वाला एड्रेस "https" के साथ शुरू होता है। इसमें आखिर में लिखे "s" का ध्यान रखना चाहिए।

दुनिया का सबसे आधुनिक बुलेट ट्रेन से भी काफी तेज!

जानिए क्या है हाइपरलूप, जिससे 1200 किमी. का रास्ता एक घंटे में हो सकता है पूरा

आपने बुलेट ट्रेन के बारे में सुना होगा कि उससे कई सौ किलोमीटर की यात्रा कुछ मिनटों में पूरी की जा सकती है। लेकिन ये हाइफरलूप सिस्टम उससे भी काफी आगे है।

जब भी तेज ट्रांसपोर्ट की बात होती है तो लोग हवाई जहाज का सहारा लेते हैं या फिर बुलेट ट्रेन को भी इसका ऑप्शन माना जाता है। कहा जाता है कि इन दोनों ट्रांसपोर्ट मोड से काफी कम समय में लंबी दूरी की यात्रा तय की जा सकती है। लेकिन, अब ऐसे सिस्टम पर काम चल रहा है, जिससे हवाई जहाज और बुलेट ट्रेन से भी काफी कम समय में यात्रा की जा सकती है। आप भी सोच रहे होंगे कि आखिर ये कैसे हो सकता है और फिर उस ट्रांसपोर्ट की स्पीड कितनी होगी कि वो बुलेट ट्रेन से भी दोगुना स्पीड से चलेगी।

तो जानने की कोशिश करते हैं कि आखिर वो सिस्टम क्या है और उससे किस तरह से तेज यात्रा का सपना साकार हो सकता है। साथ ही जानते हैं उस ट्रांसपोर्ट की स्पीड के बारे में, जिससे सिर्फ कुछ मिनट में कई राज्य पार किए जा सकते हैं।

क्या है ये तकनीक?

यह खास तरह की तकनीक है, जो दिखने में ट्रेन की तरह है, लेकिन ट्रेन से काफी अलग है। इस खास सिस्टम को हाइपरलूप कहा जाता है, जिस पर अभी कई विकसित कंपनियां काम कर रही हैं और माना जा रहा है यह जल्द ही लॉन्च हो सकती है। अभी इस पर सुरक्षा को लेकर काम चल रहा है। हाइपरलूप में ट्रेन के टायर की तरह टायर नहीं होते हैं, बल्कि ये ट्यूब सिस्टम पर काम करता है। साथ ही इसमें ट्रेन के डिब्बों की तरह छोटे-छोटे कैप्सूल बनाए गए हैं और उनसे यात्रा करवाई जाती है।

ये जमीन की सतह पर नहीं, बल्कि ऊपर हैंगिंग स्टाइल में काम करता है और जमीन के सतह के ऊपर कैप्सूल ट्रैवल करते हैं। जिसके लिए एक खास तरह की एक सुरंग बनाई जाती है। अगर इसकी स्पीड की बात करें तो इससे 1200 किलोमीटर तक का सफर कुछ ही घंटो में पूरा किया जा सकता है।

हाइपरलूप किस तरह अलग है?

हाइपरलूप और नॉर्मल रेल में काफी अंतर होता है। इस सिस्टम में यात्रियों को ले जाने वाले पॉड ट्यूब या सुरंगों के माध्यम से यात्रा करते हैं, जिससे घर्षण को कम करने के लिए अधिकांश हवा को हटा दिया जाता है। इससे कैप्सूल की स्पीड काफी तेज हो जाती है और इससे कुछ ही मिनटों में कई मील की यात्रा आसानी से हो जाती है। वहीं, इसमें ट्रेन या कार की तरह पहियों का इस्तेमाल नहीं किया गया है, बल्कि पॉड्स को एयर स्की पर तैरने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

क्या है फायदे और नुकसान?

हाइपरलूप ट्रेन या कार यात्रा की तुलना में सस्ता और तेज हो सकता है और हवाई यात्रा की तुलना में सस्ता और कम प्रदूषणकारी हो सकता है। उनका दावा है कि यह पारंपरिक हाई-स्पीड रेल की तुलना में तेज़ और सस्ता भी है, इसलिए हाइपरलूप का उपयोग ग्रिडलॉक सड़कों से दबाव कम करने, शहरों के बीच यात्रा को आसान बनाने और संभावित रूप से प्रमुख आर्थिक लाभों को अनलॉक करने के लिए किया जा सकता है।

हालांकि, इसके विपरीत तर्क ये है कि अभी इसमें सुरक्षा को लेकर काफी काम किया जाना बाकी है। दरअसल, इसमें थोड़ी सी भी चूक होती है तो कई लोगों की जान जा सकती है। इसकी स्पीड के लिए आधारभूत ढांचा तैयार करना जरूरी है।

क्या हैं खास बातें?

इस पर काम कर रही कंपनी स्विसपॉड का कहना है कि यात्रियों या सामान को बिजली की रफ्तार से पहुंचा सकेगा। कंपनी के मुताबिक जिनेवा से ज्यूरिख की करीब 277 किलोमीटर की दूरी महज 17 मिनट में तय हो सकती है। इसी तरह न्यूयॉर्क सिटी से वॉशिंगटन डीसी की दूरी सिर्फ 30 मिनट में तय हो जाएगी। कंपनी के सीईओ डेनिस ट्यूडोर का कहना है कि स्विसपॉड की योजना अगले 4 से 5 साल में हाइपरलूप बाजार में आ जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि अगले नौ महीने में मिनी टेस्ट साइट पर काम करके हमें यह पता चल जाएगा कि तकनीक को कैसे इस्तेमाल करना है।

कैप्टन अमरिन्दर राज्य का देनदार, पंजाब के लोग कैप्टन और भाजपा को 2022 के चुनाव में सबक सिखाएंगे : राजा वड़िंग

कहा- मेरी लड़ाई बादलों को उनके किए की सजा दिलाना

घनौर /चंडीगढ़. पंजाब के परिवहन मंत्री अमरिन्दर सिंह राजा वड़िंग ने हर अपराधी के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने के लिए पार्टी और पंजाब सरकार की वचनबद्धता को दोहराते हुये आज कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह राज्य का देनदार है और लोग आगामी चुनाव में कैप्टन और भाजपा दोनों को सबक सिखाएँगे। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा की गयी महत्त्वपूर्ण पहलकदमियों पर भरोसा जताते हुये राजा वड़िंग ने कहा कि पंजाब के लोगों ने जान लिया है कि सच्चे राजनैतिक इरादे से क्या हासिल किया जा सकता है और उन्होंने 2022 के चुनाव में कांग्रेस को भारी बहुमत से फिर सत्ता में लाने का मन बना लिया है। वड़िंग ने कहा कि किसानों के मुद्दों पर केजरीवाल के हैरान करने वाले दोहरे मापदण्डों ने उसे पूरी

तरह बेनकाब कर दिया है। यहाँ घनौर बस स्टैंड के नवीनीकरण सम्बन्धी कामों की शुरूआत करने के उपरांत 'खुली चर्चा वड़िंग के संग' के पहले सैशन के दौरान पार्टी काडर और स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत करते हुये परिवहन मंत्री ने कहा कि हमारी किसानी को तबाह करने की कोशिश करके पंजाब के साथ धोखा करने वालों को इसका हर्जाना भुगतना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि आगामी चुनाव से पहले आल इंडिया कांग्रेस कमेटी (ए.आई.सी.सी.) द्वारा मंत्रियों के योजनाबद्ध क्रमवार पब्लिक इंटरैकशन प्रोग्राम के इस पहले सैशन के अंतर्गत वह आम लोगों के रूबरू हो रहे हैं। राजा वड़िंग ने कहा कि यह वही केजरीवाल है, जिसने सत्ता में आने के 15 दिनों के अंदर मजीठिया को गिरफ़्तार करने का खुलेआम वायदा किया था और फिर एक अख़बार में माफीनामा छपवा कर माफी माँगी।

कैप्टन पर निशाना साधते हुये वड़िंग ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल व सुखबीर बादल के साथ ग़ैर-कानूनी समझौता करके साढ़े 4 साल का कीमती समय बर्बाद कर दिया गया, जिसका लोग हिसाब ज़रूर लेंगे। इस मौके पर हलका विधायक मदन लाल जलालपुर, पी.एस.पी.सी.एल. के नव-नियुक्त डायरैक्टर गगनदीप सिंह जोली जलालपुर ने संबोधन करते हुये कहा कि घनौर हलके को पंजाब में नमूने का हलका बनाया जा रहा है।

'मेरा घर मेरे नाम' स्कीम मुकम्मल करने को अतिरिक्त ड्रोनों की मांग

चंडीगढ़. पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री अरुणा चौधरी ने राज्य निवासियों को लाल लकीर के अंदर ज़मीनों के मालिकाना हक देना यकीनी बनाने के लिए 'मेरा घर मेरे नाम ' स्कीम के अधीन गाँवों में मैपिंग तेज़ करने के लिए अतिरिक्त ड्रोनों की माँग की है। यहाँ पंजाब भवन में 'सर्वे आफ इंडिया' के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय मीटिंग की अध्यक्षता करते हुये चौधरी ने कहा कि राज्य के सभी जिलों में डिजिटल मैपिंग तेज़ करने के लिए अतिरिक्त ड्रोनों की ज़रूरत है। उन्होंने दिसंबर के अंत तक पूरे राज्य में सर्वेक्षण शुरू करने के भी आदेश दिए और हिदायत की कि सर्वेक्षण के काम में लगी टीमों के लिए रोज़मर्रा के आधार पर लक्ष्य निर्धारित किये जाएँ। चौधरी ने कहा कि जायदाद सम्बन्धी विवादों के हल के साथ-साथ मालिकाना हक देने के लिए यह स्कीम एक क्रांतिकारी कदम है। इसके इलावा इस स्कीम से ज़मीनों के मालिक सरकारी कल्याण स्कीमों और बैंकों की कर्ज़ सहूलतों का लाभ लेने के योग्य होंगे। उन्होंने बताया कि इस स्कीम सम्बन्धी आने वाले मसलों को स्थानीय स्तर पर हल करने के लिए ज़िला स्तरीय कमेटियाँ और गाँव स्तर पर कमेटियां बनाईं गई हैं। उन्होंने बताया कि सम्बन्धी डिप्टी कमिश्नरों के नेतृत्व वाली ज़िला स्तरीय कमेटियाँ और एस.डी.एमज़., बी.डी.पी.ओज़. और पंचायत सदस्यों के सम्मिलन वाली गाँव स्तर की कमेटियाँ सभी विवादों का निर्णय करेंगी।

निगम एक्सियन उदय खुराना हुए सेवामुक्त

• नगर निगम जालंधर के बी एंड आर ब्रांच के एक्सियन उदय खुराना मंगलवार को रिटायर हो गए। निगम के टाउन हाल में करवाए गए विदाई समारोह में मेयर जगदीश राजा समेत समूह अफसरों ने उन्हें सम्मानित कर विदाई दी। समारोह में मेयर जगदीश राजा के अलावा ज्वाइंट कमिश्नर अमित सरीन, पार्षद गुरविंदर बंटी, नीलकंठ, जगदीश गग, एसई सतिंदर कुमार और रजनीश डोगरा, एसटीपी परमपाल सिंह, राजन गुप्ता व अन्य मौजूद थे।

डिप्टी कमिश्नर और एसएसपी ने विधान सभा मतदान की तैयारियों संबंधी की बैठक

चुनाव स्टाफ के लिए अलग -अलग टीमों के गठन और तैनाती के बारे में किया विचार-विर्मश

कपूरथला. पंजाब विधान सभा मतदान 2022 की तैयारियों सम्बन्धित आज डिप्टी कमिश्नर कम ज़िला चुनाव अधिकारी दीप्ति उप्पल और एस.एस.पी. कपूरथला श्री हरकमलप्रीत सिंह खख ने सिविल और प्रशासनिक आधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक दौरान ज़िला चुनाव अधिकारी ने कहा कि सभी एस.डी.एमज़ और डी.एस.पीज़ सांझे तौर पर बढिया तालमेल के साथ चुनाव प्रक्रिआ की तैयारी करे। उन्होंने स्टैटिक सरवीलैंस टीमें, माडल कोड आफ कंडक्ट समिति, कानून व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती सम्बन्धित काम में तेज़ी लाने के लिए कहा। जिले में स्थापित किये 790 के लगभग बूथों में से संवेदनशील और

अति संवेदनशील बूथों की तस्दीक करने सम्बन्धित भी ऐस.ऐस.पी. की तरफ से विस्थारित निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि वह चार विधान सभा हलकों में ज़्यादा संवेदनशील इलाकों की भी तस्दीक करे, जिससे ज़रूरतअनुसार सुरक्षा बलों की तैनाती की योजना को पूरा किया जा सके। जिला चुनाव अधिकारी ने सभी एस.डी.एमज़ कम रिटर्निंग अधिकारियों को कहा कि वह चुनाव तैयारी सम्बन्धित राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों और ग़ैर सरकारी संगठनों के साथ भी लगातार संबंध रखे। इसके इलावा चुनाव स्टाफ सम्बन्धित डाटा जल्द एकत्रित करने के निर्देश भी दिए गए। जिला चुनाव अधिकारी ने वोटर जागरूकता के लिए स्वीप के अंतर्गत गतिविधियों को और तेज करने के निर्देश भी दिए। इसके इलावा उन्होंने कहा कि युवा वोटरों की रजिस्ट्रेशन सम्बन्धित भी शैक्षिक संस्थानों की स्वीप अभियान का भागीदार बनाया जाये।इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर जनरल अदित्या उप्पल, एस.डी.एम कपूरथला डा. जैइन्दर सिंह, एस.डी.एम. सुल्तानपुर लोधी रणजीत सिंह, एस.डी.एम. फगवाड़ा कुलप्रीत सिंह, एस.डी.एम. भुलत्थ शायरी मल्होत्रा, एस.पी. मनजीत कौर, सरबजीत सिंह बाहिया और सभी डी.एस.पीज़ भी उपस्थित थे।

एमएसपी को कानूनी अधिकार बनाएं, इसके लिए कानून लाएं : डॉ. अमर सिंह

रायकोट. डॉ अमर सिंह सांसद श्री फतेहगढ़ साहिब ने संसद में बोलते हुए केंद्र सरकार से एमएसपी को कानूनी अधिकार देने के लिए एक कानून लाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने इसी उद्देश्य के लिए उनके द्वारा लिखित एक निजी सदस्य विधेयक प्रस्तुत किया था और उस पर मतदान हो सकता है। अमर सिंह ने कहा कि 50 साल से भी पहले एमएसपी पेश किए जाने के बावजूद स्वामीनाथन समिति की रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ 6% किसानों को उनकी फसलों के लिए एमएसपी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि गेहूं और धान और 3 अन्य फसलों के एमएसपी की घोषणा को छोड़कर किसानों के लिए महज एक घोषणा रह गई है। अंत में, उन्होंने अनुरोध किया कि एमएसपी को मुद्रास्फीति से जोड़ा जाए क्योंकि धान और गेहूं जैसी मुख्य फसलों के लिए एमएसपी में हालिया वृद्धि 4.48% के मुद्रास्फीति स्तर से नीचे थी।

सशस्त्र बल झंडा दिवस 7 दिसंबर को मनाया जायेगा : कर्नल दलविन्दर सिंह

जालंधर. ज़िला सैनिक सेवाएं भलाई अधिकारी कर्नल दलविन्दर सिंह (रिटा.) ने बताया कि सशस्त्र बल झंडा दिवस 7 दिसंबर दिन मंगलवार को शहीदों की जंगी यादगार, पंजाब स्टेट वार मैमोरियल नज़दीक बस स्टैंड, जालंधर में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस ज़िला स्तरीय समारोह में सेना मैडल विशिष्ट सेवा मैडल जनरल आफिसर कमांडिंग हैडक्वार्टर 91 सब एरिया मेजर जनरल मनोज कुमार बतौर मुख्य मेहमान पहुंच कर रहे हैं जबकि डिप्टी कमिश्नर जालंधर और प्रधान ज़िला सैनिक बोर्ड श्री घनश्याम थोरी समारोह की अध्यक्षता करेंगे। ज़िला सैनिक सेवाएं भलाई अधिकारी ने आगे बताया कि चाहे राजस्थान का गर्म रेगिस्तान हो या सियाचिन और कारगिल जैसे बर्फ़ीले पहाड़ सैनिकों ने हमेशा से अपने जीवन को देश के लिए कुर्बान कर देश की आज़ादी, एकता और अखंडता को बरकरार रखा हुआ है। उन्होंने बताया कि इन सैनिकों के सख़्त पहरे और बलिदान से देशवासी चैन की नींद सोते हैं। उन्होंने बताया कि इस दिन देश की सुरक्षा के लिए दिए बलिदानों को याद किया जाता है और सेवा कर रहे सैनिकों की बहादुरी के प्रति सलाम करने का यह एक सुनहरी अवसर होता है। उन्होंने दानी सज्जनों से अपील की कि वह इस नेक काम में अधिक चढ़कर हिस्सा लें।

ज़िला रोज़गार व कारोबार ब्यूरो द्वारा रोज़गार और स्व:रोज़गार मेले 2 से 7 तक

जालंधर. ज़िले में नौजवानों को रोज़गार प्राप्ति और अपना स्व:रोज़गार शुरू करने के लिए डिप्टी कमिश्नर जालंधर घनश्याम थोरी के नेतृत्व में ज़िला रोज़गार और कारोबार ब्यूरो जालंधर की तरफ से समय -समय पर अनेकों प्रयास किये जा रहे हैं, इसी कड़ी के अंतर्गत ज़िला रोज़गार और कारोबार ब्यूरो जालंधर में 2 से 7 दिसंबर तक रोज़गार और स्व:रोज़गार मेले लगाए जा रहे हैं।

डिप्टी डायरैक्टर ज़िला रोज़गार और कारोबार ब्यूरो जालंधर जसवंत राय ने बताया कि 2 दिसंबर से 7 दिसंबर तक ज़िला रोज़गार कारोबार ब्यूरो, तीसरी मंजिल, ज़िला प्रशासनिक कांपलैकस लाडोवाली रोड, जालंधर में रोज़गार मेले लगवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन रोज़गार मेलों में 12वीं / आई.टी.आई. /ग्रैजुएट /पोस्ट ग्रैजुएट नौजवान लड़के और लड़की रोज़गार प्राप्ति के लिए भाग ले सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि इसी तरह 2 से 7 दिसंबर 2021 तक लगाए जा रहे स्व:रोज़गार मेलों में 18 से 50 साल का कोई भी इच्छुक व्यक्ति भाग ले सकता है। पंजाब सरकार के निर्देशों पर इन स्व:रोज़गार मेलों के दौरान अपना कारोबार शुरू करने के इच्छुक नौजवानों से पंजाब सरकार द्वारा सब्सिडी पर मुहैया करवाए जा रहे कर्जों से सम्बन्धित अप्लाई करवाया जायेगा।

श्रम विभाग की तरफ से निर्माण कामगार के लिए सुविधा कैंप 4 को : डीसी

कपूरथला. श्रम विभाग पंजाब की तरफ से बिलडिंग एंड अदर कंस्टरकशन वर्करज़ वैलफेयर बोर्ड अधीन रजिस्टर्ड निर्माण कामगार और उनके पारिवारिक सदस्यों को पंजाब सरकार की तरफ से अलग -अलग तरह की सहूलतें मुहैया करवाने के उद्देश्य के साथ जलोअखाने में 4 दिसंबर को एक विशेष कैंप लगाया जा रहा है। डीसी दीप्ति उप्पल ने बताया कि पंजाब में वह निर्माण कामगार जिसकी आयु 18 से 60 साल के बीच है और जिसने पिछले 12 महीनों दौरान कम से कम 90 दिन निर्माण का काम किया हो। वह बोर्ड लाभपातरी बोर्ड का मैंबर बनने योग्य है। डिप्टी कमिश्नर ने आगे बताया कि लाभपात्रियों को रजिस्टर्ड निर्माण कर्मियों की लड़कियों की शादी के लिए शगुन स्कीम 51,000 /- रुपए की वित्तीय सहायता, छुट्टी दौरान यात्रा के लिए सुविधा (तीन सालों में एक बारी) 10,000 /- रुपए,रजिस्टर्ड उसारी कामगार के घर नयी जन्मी बेटी के लिए बच्ची तोहफ़ा स्कीम (FD) 51,000 /- रुपए, मानसिक रोग या अपंगता के साथ ग्रसित बच्चो की संभाल के लिए वित्तीय सहायता सालाना 24,000 /- रुपए दी जाती है। उन्होंने बताया कि और ज्यादा जानकारी के लिए दफ़्तर सहायक काम कमिशनर, कपूरथला या इलाको के काम इंस्पेक्टर के साथ संपर्क किया जा सकता है।

राशिद खान कभी 4 करोड़ रुपये में बिके थे, अब मोटी रकम के लिए तोड़ा एसआरएच से नाता, एजेंट ने बिगाड़ी बात!

आईपीएल 2022 रिटेंशन

पिछले पांच साल से सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा थे राशिद खान

आईपीएल 2022 रिटेंशन में दो खिलाड़ियों को लेकर काफी चर्चा हुई। ये नाम हैं केएल राहुल और राशिद खान। इनमें राशिद सनराइजर्स हैदराबाद के साथ थे। अब राशिद ऑक्शन पूल का हिस्सा हैं। यहां उन्हें दो नई टीमें चुन सकती हैं। अगर नहीं चुनती हैं तो वे मेगा ऑक्शन में जाएंगे। वैसे उनके लखनऊ फ्रेंचाइजी के साथ जाने की खबरें हैं। लेकिन सवाल यह है कि इन्हें रिटेन क्यों नहीं किया गया जबकि वे आईपीएल इतिहास के धाकड़ खिलाड़ियों में शामिल होते हैं।

अफगानिस्तान से आने वाले राशिद खान टी20 फॉर्मेट के सबसे कमाल गेंदबाजों में से एक हैं। उनका हैदराबाद में रिटेन न होना किसी को पच नहीं रहा। कहा जा रहा है कि हैदराबाद का राशिद खान को छोड़ना वैसे ही है जैसे आरसीबी विराट कोहली को छोड़ दे या मुंबई इंडियंस रोहित शर्मा से किनारा कर ले। लेकिन इस

अलगाव के पीछे की वजह पैसे हैं। हैदराबाद ने सबसे पहले 2017 के ऑक्शन में राशिद खान को लिया था। तब चार करोड़ रुपये खर्च किए थे। 2018 के मेगा ऑक्शन में राइट टू मैच के जरिए फिर से राशिद को अपने साथ रख लिया था। तब नौ करोड़ रुपये राशिद को मिले थे। आईपीएल 2022 के मेगा ऑक्शन से पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने राशिद खान को सैंकेंड प्रायोरिटी के तहत रिटेन करने की पेशकश की थी। इसके तहत राशिद को 11 करोड़ रुपये मिलते। लेकिन राशिद इससे सहमत नहीं थे। उन्होंने पहली प्रायोरिटी मांगी थी। इस पर बात नहीं बन पाई। कहा जाता है कि मामला राशिद खान के एजेंट के चलते बिगड़ा। क्रिकबज़ के अनुसार, हैदराबाद फ्रेंजाइजी के राशिद से अच्छे रिश्ते हैं लेकिन एजेंट से रिश्ते बिगड़ चुके हैं। एजेंट ने फ्रेंचाइजी की बात को मानन से इनकार कर दिया।

सनराइजर्स हैदराबाद ने हालांकि उम्मीद जताई है कि ऑक्शन में वे राशिद को फिर से अपने साथ ले लेंगे। मगर यह एक बड़ा जुआ होगा। लखनऊ और अहमदाबाद की फ्रेंचाइजी राशिद जैसे गेंदबाज को छोड़ना नहीं चाहेंगी। अगर यहां राशिद बच भी जाते हैं तो ऑक्शन के दौरान हर टीम उन्हें लेने के लिए तिजोरियों का मुंह खोलने को तैयार होगी।

राशिद खान आईपीएल में अभी तक केवल सनराइजर्स हैदराबाद ही खेले हैं। इस टीम के लिए 76 मैच में 93 विकेट उन्होंने लिए हैं। आईपीएल 2021 में जब हैदराबाद फिसड्डी रही थी तब भी राशिद खान ने 14 मैच में 18 विकेट लिए थे। राशिद ने अभी तक 289 टी20 मैच खेले हैं और 400 विकेट ले चुके हैं। वे इस मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे तेज गेंदबाज हैं।

डीसी ने कोविड के नये रूप से बचाव के लिए लोगों को सावधान रहने की अपील

टीकाकरण मुहिम को तेज़ करने के दिये निर्देश

कपूरथला. डिप्टी कमिश्नर कपूरथला दीप्ति उप्पल ने ज़िला कपूरथला के निवासियों को कहा है कि वह कोविड के नये वेरियंट (ओमीकरौन)के तेज़ी के साथ फैलाव से बचाव के लिए कोविड नियमों की सख़्ती के साथ पालना करे। उन्होंने कहा कि विश्व भर में अनेकों देशों अंदर ओमीकरौन वेरियंट के साथ कोविड मामलों में तेज़ी के साथ विस्तार हुआ है जोकि हमारे सबके लिए खतरे की घंटी है।

उन्होंने कहा कि दक्षिणी मअफ़रीका और ओर के पास के देशों से आने वाले व्यक्ति स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जारी आदेशों की पालना इन्न -बिन्न यकीनी बनाए। उन्होंने कहा कि यदि इन देशों से भारत आने वाला हर व्यक्ति अपने आप 14 दिन के लिए एकांतवास होने का पालन करे। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड सम्बन्धित सेहत विभाग के आदेशों को लागू करवाने के लिए सम्बन्धित ऐस.डी.ऐम ज़िम्मेदार होंगे और लोग किसी भी तरह की जानकारी

या शिकायत के लिए अपनी अपने ऐस.डी.ऐम के साथ संबंध कर सकते हैं। उन्होंने वैकसीनेशन मुहिम को ओर तेज़ करने के निर्देश देते हुए कहा कि कोविड से बचाव का एक विधि सारी योग्य आबादी का टीकाकरण ही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह अपना टीकाकरण तुरंत करवाए, जिससे कोविड के फैलाव को रोका जा सके। उन्होंने लोगों को मास्क की हर समय पर प्रयोग करने की अपील करते हुए कहा कि कोविड सम्बन्धित किसी भी तरह के लक्षणों और सामने आने पर लोग सेहत विभाग के साथ तुरंत संपर्क करे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.